नगर-सर्वोदय-कार्य

अनुक्रमणिका

	स्थान	स्थान	टाईप पृष्ठ नं०
सर्व सेवा संघ :			
(1) नगर कार्य गोष्ठी निष्कर्ष :	बेंगलोर	29-10-60	1-4
प्रबंध समिति :			
(2) इंदौर में सघन कार्य	सेवाग्राम	19-3-60	8
(3) काशी का नगर कार्य उ० प्र० स० मंडल चलावे।	वाराणसी	10-5-60	8
(4) नगर सर्वोदय कार्य चर्चा	त्रिवेन्द्रम्	27-10-60	9
(5) सर्वोदयपर्व में करने के काम	मदुराई	1-6-62	10
(6) अ० भा० सूतरपर सर्वोदय पत्र	...	..	11
(7) बडौदा नगर कार्य का निष्कर्ष	वाईगाई डॅम	16-11-64	12
(8) नगर सर्वोदय कार्य चर्चा	सांगली	25-2-69	13
(9) इंदौर नगर कार्य	इंदौर	17-8-60	14
(10) अशोभनीय पोस्टरों के विरुद्ध सत्याग्रह	जबलपुर	12-11-60	14
(11)	गोलकगंज	6-3-61	16
(12) शहरों में सर्वोदय कार्य कैसा हो सिद्धराजजी का नोट	वाराणसी	21-1-71	17
(13) ट्रस्टीशिप विकेंद्रित उद्योग की चर्चा कमला गड्डे के अनुभवों पर	नाशिक	5-5-71	18

= = = = =

www.vinoba.in

न ग र — स र्वो द य - का र्य

(सेवा संघ - रजिस्टर नं० 3)

....

(बंगलोर - 29-10-60) पृ० नं० 114

प्रस्ताव नं० ~~115~~ /चर्चा :- नगर कार्य गोष्ठी निष्कर्ष

आन्दोलन की गतिविधि, प्रगति और भावी कार्यक्रम सम्बन्धी चर्चा का आरम्भ उत्तर प्रदेश सर्वोदय मण्डल के मंत्री श्री ओमप्रकाश गौड ने किया। इस विषय में निम्नलिखित मुद्दे गोष्ठियों में चर्चा के लिए आधारभूत माने गये:

(1) आन्दोलन की गतिविधि।

(2) आन्दोलन के अन्तर्गत विभिन्न प्रयोग : श्री धीरेन्द्रभाई का सर्व जनाधार, श्री कलभस्वामी का शिवनीक्रम, श्री अण्णासाहब का सेवाग्राम का प्रयोग, काशी का सफाई-आन्दोलन तथा इन्दौर को सर्वोदय नगरी बनाने का प्रयास आदि।

(3) पदयात्राएं और उनका स्वरूप।

(4) भूमि-प्राप्ति और भू-वितरण।

(5) ग्रामदान तथा ग्राम निर्माण।

इसके बाद संघ के सभी उपस्थित सदस्य इन मुद्दों पर गोष्ठी के रूप में विचार करने के लिए ग्यारह टोलियों में विभक्त हो गये। दिनांक 30 अक्टूबर को मध्यान्ह में गोष्ठियों का सार हर टोली के नायक ने संघ सम्मुख रखा।

सेवाग्राम अधिवेशन में ही नगरों के सर्वोदय कार्य को व्यापक करने का निश्चय हुआ था। देश में कई जगह इसका प्रयास भी आरम्भ हुआ है। श्री विनोबाजी ने इंदौर में एक मास रहकर नगर के कार्य को गहराई से करने का विचार देश के सामने रखा है। इस दृष्टि से नगरों में अब तक किस-किस प्रकार काम किया गया और आगे क्या कार्यक्रम रहे, इस पर उत्तर प्रदेश सर्वोदय मंडल के अध्यक्ष श्री सुन्दरलालजी ने चर्चा का समारंभ किया। इसके बाद श्री पाटणकर श्रीराम देशपाण्डे, श्री कलभस्वामी और श्री जयप्रकाशनारायण ने क्रमशः इन्दौर बम्बई, बंगलोर और गया में हो रहे सर्वोदय कार्य की संक्षिप्त जानकारी दी तथा

www.vinoba.in

भावी कार्यक्रम पर भी अपने विचार प्रकट किये । उक्त चर्चाओं के फलस्वरूप नगर-कार्यक्रम सम्बन्धी निम्न मुद्दे विचारार्थ सामने आये :-

(1) नगर का वर्तमान स्वरूप तथा उसकी समस्याएँ ।

(2) सर्वोदय नगर बनाने की दिशा में विभिन्न कार्यक्रम ।

(3) (अ) कार्यकर्ता - निर्माण , जन-सम्पर्क- , विचार-प्रचार और सर्वोदय मित्र मण्डली का गठन ।

(4) (ब) प्रत्यक्ष कार्य : विद्यार्थियों, महिलाओं, मजदूरों, सर्व साधारण जनता तथा विशिष्ट वर्ग, अस्पृश्य, वेश्याएँ, नशाखोरी आदि समाज की दृष्टि से गिरे हुए लोगों की चारित्रिक, सामाजिक व आर्थिक उन्नति के कार्यक्रम तथा योजनाएँ ।

(स) विभिन्न राजनैतिक, साम्प्रदायिक तथा दूषित सामाजिक प्रवृत्तियों के परिणामस्वरूप अशान्त व क्षुब्ध वातावरण को शुद्ध करने का प्रयास ।

(द) सामाजिक बुराइयों को प्रोत्साहन देनेवाली कुप्रवृत्तियों के लिए सत्याग्रह ।

इस पर भी टोलियों में विभक्त होकर संघ के सदस्यों ने गोष्ठी के रूप में व्यापक चर्चा की । सभी गोष्ठियों का निष्कर्ष संघ के सम्मुख उपस्थित किया गया, जो निम्न अनुसार है :-

(अ) अधिकांश टोलियों का मत यह रहा कि आन्दोलन की गति पिछले तीन-चार वर्षों से मन्द हुई है । एक टोली की राय में आन्दोलन की गति मन्द नहीं हुई, बल्कि उसका स्वरूप बदला है । एक अन्य टोली इस परिणाम पर पँची कि आन्दोलन गहरा और गम्भीर हुआ है, मन्द नहीं ।

सभी टोलियों ने भूदान प्राप्ति व वितरण पर पुनः शक्ती लगाने पर जोर दिया । यह भी कहा गया कि पिछले दस वर्षों में प्राप्त तथा वितरित भूमि का पूर्ण लेखा-जोखा तैयार करके जनता के समक्ष प्रस्तुत किया जाय।

भूमि प्राप्ति एवं वितरण में गतिशीलता के लिए निम्न सुझाव प्रस्तुत किये गये :-

www.vinoba.in

(अ) जिनकी भूमि बाँटी गयी, उन आ-/दाताओं की आवश्यकतानुसार साधन दान आदि से सहायता करके अपने पैरों पर खड़ा करने की चेष्टा की जाय।

(ब) दाता और आदालाओं का आपसी सम्पर्क बढाया जाय ।

(स) आदाताओं की चिन्ता केवल भूदान कार्यकर्ता की न रहकर सारे गाँव की रहे, इस दिशा में प्रयत्न किया जाय ।

(द) भूमिहीनता के मिटने से ग्राम में परस्पर सहयोग और स्नेह बढता है, इसका दर्शन ग्रामवासियों को हो, यह प्रयत्न किया जाय ।

(य) भूप्राप्ति और वितरण के क्षेत्र में ग्रामोद्योगों को भी प्रोत्साहन दिया जाय ।

ग्रामदान व ग्राम संकल्प की ओर विशेष ध्यान देने और कुछ एक क्षेत्र चुनकर इस कार्यक्रम के माध्यम से सर्वोदय समाज का चित्र प्रस्तुत करने का सुझाव कई टोलियों की ओर से आया । कुछ कार्यकर्ताओं को एक दो पेत्रों में बैठकर ऐसे प्रयोग करने चाहिए । वर्तमान समय में हो रहे इस प्रकार के विभिन्न प्रयोगों की जानकारी से पूरा लाभ उठाना चाहिए । ग्रामदान और ग्राम-संकल्प वातावरण तैयार करने के लिए भूदान सर्वोदय पात्र आदि विभिन्न कार्यक्रम पर जोर देने की आवश्यकता है ।

पद-यात्राओं के क्रम को पुनः उत्साहपूर्ण जारी करने की आवश्यकता सभी ने अनुभव की पदयात्रा करने का सुझाव दिया गया । उस क्षेत्र में भूदान की समस्त प्रवृत्तियों का ठीक से प्रकाशन नहीं होता । अतः भूदान पत्र-पत्रिकाओं के साथ अन्य स्वतंत्र समाचार-पत्रों के माध्यम से भी अपने कार्यों की जानकारी जनता तक पहुंचानी चाहिए ।

आन्दोलन के सम्बन्ध में आम राय यह रही कि कार्यक्रम भिन्न भिन्न प्रदेशों की परिस्थिति के अनुसार थोडा बहुत भिन्न भिन्न प्रकार का होगा। साथ ही कार्यकर्ताओं की मर्यादित संख्या को ध्यान में रखते हुए हर प्रदेश में कुछ निश्चित कार्यक्रम पर ही आधारित होकर काम करना लाभदायी होगा।

नगरों के कार्यक्रम के बारे में गोष्ठियों की चर्चा के बाद निम्न लिखित निष्कर्ष प्रस्तुत किया गया :-

www.vinoba.in

हमारा काम कुछ चुने हुए नगरों में मर्यादित रहे । काम का आरम्भ इस प्रकार हो कि जिसमें अधिकांश नागरिकों की सम्मति मिले ।

नगर का काम किसी एक कार्यक्रम पर मर्यादित न हो, बल्कि जीवन हर एक पहलू को तथा नागरिकों के हर वर्गों को स्पर्श करनेवाला हो ।

अन्त में जाकर सर्वोदय की दृष्टि से नगरों की वर्तमान स्थिति की ज्यों की त्यों चालू नहीं रह सकती । शोषण तथा स्पर्धा के तत्वों पर आधारित समाज बनाना होगा ।

नगरों में जो मनोरंजन के कार्यक्रम दिये जाते हैं, उनमें सुसंस्कार लाने की व्यवस्था हो तथा ऐसा वातावरण बनाया जाय कि अशोभनीय विज्ञापन, चित्र आदि नगरों में प्रदर्शित न हो । मनोरंजन के साधनों का स्वामित्व नगर-पालिकाओं का हो । उद्योगों में मालिक, व्यवस्थापक तथा मजदूरों में ट्रस्टीशिप की भावना बढ़ सके, इसका प्रयत्न हो ।

नगर-पालिकाओं का चुनाव अपक्ष व निर्विरोध हो । जहाँ हमारा काम कुछ गहराई में गया हो, वहाँ वोटर्स कौंसिल द्वारा प्रतिनिधि चुने जायँ, उसके लिए प्रयास किया जाय ।

नगर हमारे विचार बनानेवाले केन्द्र हैं, इसलिए वहाँ से शिक्षित वर्ग, अध्यापक, साहित्यिक आदि में हमारा प्रवेश होना चाहिए ।

नगर आजकल अशान्ति के भी केन्द्र बन रहे हैं, इसलिए अशान्ति के मूल में जाकर दंगे-फसाद आदि कहीं न हो, ऐसा प्रयत्न हो । देश के विभिन्न नगरों में लगे सर्वोदयी कार्यकर्ताओं का एक सप्ताह का शिबिर हो, जिसमें नगर के प्रश्नों का गहराई से अध्ययन हो ।

= = = = =

पृ०नं० 117

(बैंगलोर -- 29-10-60)

प्रस्ताव नं० 3 :— कार्य संयोजन :-

हमारा संगठनात्मक रूप क्या हो और आर्थिक संयोजन किस प्रकार का हो, इस विषय की श्री राधाकृष्ण बजाज ने संघ के सम्मुख उपस्थित करते हुए संघ की वर्तमान आर्थिक स्थिति की संक्षिप्त जानकारी दी ।

www.vinoba.in

तत्पश्चात टोलियों में विचार करने के लिए निम्नलिखित मुद्दे निर्धारित हुए:

(1) कार्यकर्ता
(2) संगठन
(3) कार्यकर्ता प्रशिक्षण
(4) अर्थ संयोजन
(5) कार्यालय
(6)

सदस्यों ने गोष्ठी के रूप में विश्वस्त होकर चर्चा की। चर्चाओं का निष्कर्ष नीचे अनुसार है :-

(1) कार्यकर्ता :-

अ— कार्यकर्ताओं को गुण-विकास, सामूहिक जीवन साधन एवं एक दूसरे की त्रुटियों को निभा लेने की ओर विशेष ध्यान देना चाहिए।

आ—सूत्रदान, सम्पत्ति-दान, सर्वोदय-पात्र, सूतांजलि, कार्यों के लिए आंशिक समय देनेवाले सेवकों की मदद ली जाय, ऐसे जन-सेवकों के सर्वोदय मित्र मंडल खडे करना चाहिए।

(2) संगठन

अ— लोक-सेवकों की जादाद बढाकर प्राथमिक सर्वोदय-मण्डलों की अधिकाधिक स्थापना की जाय।

आ— प्रान्तीय सर्वोदय मण्डलों को सक्रिय बनाया जाय तथा उन्हें विधान में उचित स्थान दिया जाय।

इ— जिला एवं प्रान्तीय स्तर के कार्यकर्ताओं की समय-समय पर मिलते रहना चाहिए। एवं कार्य को आगे बढाने का विचार व कोशिश होती रहनी चाहिए।

ई— कार्य के संचालन में सबकी सलाह ली जाय। कार्यकर्ताओं को अनुभव हो कि उनकी सलाह या उनका शिक्षण उस कार्य में है।

(3) प्रशिक्षण

अ— अखिल भारतीय एवं प्रान्तीय दोनों स्तरों पर प्रशिक्षण की रचना हो। कार्यकर्ताओं के साथ-साथ उनके परिवार के शिक्षण की भी व्यवस्था हो।

आ— भूदान, ग्रामदान आन्दोलन के साथ-साथ सारी रचनात्मक

www.vinoba.in

कार्यों का शिक्षण हो । इनसे सम्बद्ध कायदे-कानूनी योजनाओं, सहायता स्रोतों आदि की जानकारी मिले ।

इ- क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं को कार्यालय का एवं कार्यालय के कार्यकर्ताओं को क्षेत्र के काम का शिक्षण प्राप्त होने की व्यवस्था हो ।

ई- जिला सर्वोदय मण्डलों के कार्यालयों में पुस्तकालयों की व्यवस्था हो, जहां सर्व सेवा संघ के पूरे साहित्य के दो सेट हों तथा अन्य महत्व का साहित्य भी हो ।

उ- हर एक कार्यकर्ता को घर के उपयोग के लिए महत्व का साहित्य कम से कम एक पत्रिका अवश्य खरीदनी चाहिए । घर में साहित्य रहा तो उसका उपयोग घर के बाल-बच्चों के संस्कार व शिक्षण के लिए होता रहेगा ।

ऊ - हर एक प्रदेश में हो रहे हमारे सारे कार्यों की जानकारी कार्यकर्ताओं को मिले, ऐसी ~~समय~~ व्यवस्था हो ।

ए- विद्यालयों का स्वरूप ऐसा हो, जिसमें विद्यालयीन जीवन व सामान्य जीवन में भेद न मालूम हो । शिक्षण का ऐसा तरीका रहे, जिससे काम करते-करते शिक्षण मिले ।

ऐ- प्रशिक्षण में कार्यकर्ता के गुण-विकास की ओर विशेष ध्यान दिया जाय ।

4- योगक्षेम :-

अ- पूरा समय देनेवाले कार्यकर्ताओं के योग चिन्ता सर्वोदय मण्डलों को करनी चाहिए । कार्यकर्ता द्वारा अपनी कठिनाई कहने के पहले ही हमारी ओर से उनकी कठिनाई जानने का प्रयत्न हो ।

5- कार्यालय :-

अ- देशव्यापी आन्दोलन को चलाने के लिए कार्यालय को पूर्ण सक्षम बनाना चाहिए । कार्यालय के कामों का महत्व कम नहीं मानना चाहिए । तथ्य एवं आंकों से संकलन का काम तीव्र गति से होना चाहिए ।

www.vinoba.in

आ— सूत्र कार्यकर्ताओं के साथ संचालकों को मित्रभाव बढाना चाहिए, ताकि किसी में हीन-भावना न आकर सबमें मिशनरी स्पिरीट पैदा हो।

6— अर्थ-संग्रह :-

अ— प्रान्तीय - स्तर पर अर्थ संग्रह समिति हो जो सम्पत्तिदान एवं छोटी बडी सहायताओं के लिए सतत प्रयत्न करें ।

आ— सूतांजलि सर्वोदय- पात्र एवं सूत्रदान की प्रगति का प्रयत्न हर कार्यकर्ता को तुरन्त शुरु कर देना चाहिए ।

इ— अन्न-दान का संयोजन आवश्यकतानुसार कार्यालयों की ओर से हो ।

=-=-=-=-=-=-=

www.vinoba.in

(७५)

नगर सर्वोदय कार्य के प्रस्ताव

(प्रबंध समिति रजि0 नं0 4)

(सेवाग्राम— 19-3-60) (पृष्ठ नं0 23)

प्रस्ताव नं0 25 :- सघन कार्य – इंदौर में

श्री दादा नाईक, अध्यक्ष, मध्यप्रदेश सर्वोदय मंडल, ने बताया कि श्री विनोबाजी की प्रेरणा और उनकी इच्छा के अनुसार इंदौर नगर तथा महेश्वर तहसील को मिलाकर पाँच लाख की आबादी के उस क्षेत्र को एक प्रेम-क्षेत्र बनाने और उस दृष्टि से उसमें सघन कार्य करने का निश्चय किया गया है। इसके लिये प्रदेश– प्रदेश के कुछ कार्यकर्ता विनोबाजी के आगमन से पहले उस क्षेत्र में आकर इंदौर के चारों ओर इर्द-गिर्द लगभग 250–300 मील की सघन पदयात्रा करेंगे तो ठीक होगा।

तय हुआ कि विभिन्न प्रदेशों के सर्वोदय संगठनों और कार्यकर्ताओं को इंदौर नगर व उसके आस-पास आयोजित किये जानेवाले इस सघन कार्यक्रम में सक्रिय योगदान के लिये निवेदन किया जाय। जो कार्यकर्ता भाई-बहन इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिये अपने क्षेत्र से जायेंगे वे ~~जानेका~~ आने के सफर खर्च की व्यवस्था स्वयं करेंगे या वह व्यवस्था प्रादेशिक संगठन की ओर से होगी। पदयात्रा के दिनों का आवश्यक खर्च मध्यप्रदेश सर्वोदय मंडल की ओर से किया जायगा।

संघ प्रतिनिधि के रूप में श्री ठाकुरदास बंग से वहाँ के कार्यक्रम में भाग लेने के लिये निवेदन किया जाय।

= = = = = = = = =

प्र० क स०रजि0 नं04
पृ0 नं0 49

(वाराणसी— 10-5-60)

प्रस्ताव नं0 14 :- काशी में नगर सर्वोदय कार्य उ0प्र0 सर्वोदय मंडल चलावे

श्री विनोबाजी काशी के कार्यक्रम पर विशेष जोर दे रहे हैं। यहाँ का कार्यक्रम जिला, प्रदेश या संघ किसी की ओर से चले इस संबंध में प्रबंध समिति की राय रही कि विनोबाजी ने ऐसा कहा है कि उत्तर प्रदेश में सघन कार्य की दृष्टि से पाँच शहरों में काम चले उनमें एक काशी भी है। अतः यहाँ उत्तर प्रदेश सर्वोदय मंडल की ओर से काम हो और सारे प्रदेश की शक्ति काशी और उसकी पंचक्रोशी

www.vinoba.in

(विश्वनीडम् -27-10-60)

प्रबंध स०रजि०
पृ०नं० 70

प्रस्ताव नं० 4 :- नगर सर्वोदय कार्य की चर्चा :-

विनोबाजी इन दिनों नगर में सर्वोदय कार्य को व्यापक करने पर जोर दे रहे हैं। इस दृष्टि से इंदौर, गया, बंगलोर और काशी में सर्वोदय कार्य का आरंभ हुआ है। इंदौर के काम के संबंध में श्री वि०स०खोडे तथा श्री पाटणकर ने जानकारी दी। विनोबाजी ने लगभग एक मास इंदौर में रह कर जो कार्यक्रम इंदौर के लिए बनाया है, उसे कार्यान्वित करने का प्रयास वहाँ हो रहा है। गया के संबंध में जयप्रकाशनारायण ने बताया कि वहाँ म्युनिसिपल बोर्ड के निर्विरोध चुनाव की बात उठाई गई है। उसमें वहाँ के लोगों का उत्साह जागृत हुआ है। पर सरकार की ओर से चुनाव की अवधि बढा दिए जाने के कारण वह उत्साह इस समय बंद हो गया है, पर उस दिशा में प्रयास जारी है। बंगलोर के काम की जानकारी श्री वल्लभस्वामी ने दी। वहाँ मुख्य रूप से सर्वोदयपात्र का काम आरंभ किया है। सर्वोदय मित्र सभा का भी गठन हुआ है। काशी के काम की जानकारी श्री निर्मला देशपांडे ने दी। वहाँ दो मास पदयात्रा करके व्यापक रूप से संपर्क स्थापित करने का प्रयास हुआ। इसके अतिरिक्त श्री रामदेशपांडे ने बंबई के काम की जानकारी दी। श्री विमलाबहन ठकार की प्रेरणा से बंबई कारपोरेशन के आगामी चुनाव में शहर के कुछ क्षेत्रों में निर्विरोध चुनाव का प्रयोग करने का आयोजन हो रहा है। निश्चय हुआ कि शीघ्र ही एक गोष्ठी का आयोजन किया जाय जिसमें नगरों में खास तौर से काशी, गया, इंदौर, बंगलोर और पठानकोट में काम करनेवाले कार्यकर्ता, नगर के प्रशासन अधिकारी तथा नगरपालिकाओं के काम का अनुभव रखनेवाले लोग इकट्ठे होकर तीन चार दिन चर्चा कर के नगरों में सर्वोदय कार्य की रूप रेखा निश्चित करें।

=.=.=.=.=.=

www.vinoba.in

८७

(प्रबंध समिति रजि० नं० 5) (पृ०नं० 30)

(मदुराई— 1-9-62)

प्रस्ताव नं० 3 :- सर्वोदय पर्व कार्यक्रम

11 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक सर्वोदय पर्व के लिये जो कार्यक्रम सोचा गया है उसकी जानकारी प्रकाशन समिति के अध्यक्ष श्री सिध्दराज ढड्ढा ने दी । तमिलनाड में साहित्य प्रचार की दृष्टि से क्या - क्या कार्यक्रम पिछले साल हुआ और इस साल क्या सोचा गया है इसकी विस्तृत जानकारी तंजार शाखा के श्री रामस्वामी ने दी ।

सर्वोदय - पर्व और साहित्य प्रचार के विषय में विस्तार से चर्चा हुई। श्री अप्पा अप्पाधिकारी ने साहित्य - प्रचार संबंधी निम्न महत्व के मुद्दों की ओर ध्यान आकर्षित किया :—

(अ) हमारे साहित्य-प्रचार के पीछे साहित्य बिक्री का उद्देश न रहे बल्कि विचार-प्रचार का ही उद्धेश रहे । अर्थात्/हमारा जोर प्रचार पर हो, बिक्री पर न हो । इस दृष्टि से साहित्य मुफ्त में भी बांटा जा सकता है ।

(आ) साहित्य बिक्री में सर्वोदय-साहित्य कितना जाता है और धार्मिक साहित्य कितना जाता है इसका भी परीक्षण करना चाहिए । उदाहरण के लिये 'गीता प्रवचन'' 'धम्मपद' 'ईशावास्यवृत्ति' 'स्थित प्रज्ञ-दर्शन-' आदि धार्मिक साहित्य में है लेकिन सत्याग्रह, स्वराज्य शास्त्र , 'लोकनीति', अध्यात्म और विज्ञान, आदि विषय, सर्वोदय विचार के है । यह दूसरी तरह का साहित्य कितना जाता है इस पर से सर्वोदय साहित्य- प्रचार की नाप होनी चाहिए ।

श्री नारायण भाई ने सुझाया कि कम से कम सर्वोदय-पर्व के सिल सिले में हम साहित्य प्रचार के लिये सरकार की मदद न ले । यानी सरकारी तौर पर सर्कुलर निकलवाना या उनकी शाखा प्रशाखाओं के मार्फत आर्डर्स प्राप्त करवाना आदि कार्य इस पर्व में न हो और कार्यकर्ता स्वतंत्र प्रयत्न में से साहित्य प्रचार द्वारा सीधे जनता तक पहुँचे ।

श्री नवकृष्ण चौधरी ने इसे अधिक स्पष्ट करते हुए और आग्रह करते हुए कहा कि सर्व सेवा संघ को सहयोग देने के लिये प्रदेशों में जो सरकारी

www.vinoba.in

सक्युलर्स जाते हैं उसका असर अच्छा नहीं होता है । सर्व सेवा संघ के संबंध में भी इससे बहुत टीका होती है । कुछ कार्यकर्ता तक भी मानते हैं की हम अधिकाधिक सरकारी सहयोग पर निर्भर होने लगे हैं और एक तरह से सरकार के पेट में ही जा रहे हैं । जन-शक्ति जागृत करने की स्वतंत्र क्षमता हम खोते जा रहे हैं ।

श्री नवबाबु ने यह भी जाहिर किया कि सर्व सेवा संघ के प्रकाशन के संकलन, गेट अप- और स्टैडर्ड में काफी सुधार करने की आवश्यकता है ।

इस विषय पर चर्चा होकर तय हुआ कि :—

(अ) सर्वोदय पर्व में साहित्य प्रचार पर मुख्य ध्यान केन्द्रित करना चाहिय लेकिन साथ साथ साहित्य की बिक्री को भी किसी लक्ष्यांक के तौर पर नहीं बल्कि विचार प्रचार के बाह्य नाप के तौर पर सामने रखना चाहिए।

(आ) सरकारी तंत्र के सहयोग तथा सरकार से सरक्युलर्स आदि निकलवाने के प्रश्न पर भविष्य में क्या निति रहे इस पर समिति की किसी आगामी बैठक में चर्चा हो और निती थिर की जाय ।

(इ) साहित्य के संकलन, गेट अप, और स्टैडर्ड के संबंध में प्रकाशन समिति का संपादन,— मंडल विचार करके आवश्यक कारवाई करें ।

= = = = = = =

(मदुराई— 1-9-62) (पृष्ठ नं0 31)

प्रस्ताव नं0 4 :- अ0भा0 स्तरपर सर्वोदय पक्ष :-

साहित्य पर्व संबंधी चर्चा के दरम्यान यह भी चर्चा उठी की इस तरह के अखिल भारतीय स्तर के अभियान एक समय में एक ही उठायें जाने चाहिए । सर्व सेवा संघ की विभिन्न समितियों को ध्यान में रखना चाहिए+ कि समिति द्वारा कोई कार्यक्रम बनाती है तो सबकी शक्ति उसमें लगे । अन्य समिति कोई स्वतंत्र कार्यक्रम न बनावें जिससे की अखिल भारतीय अभियान की एकाग्रता में बाधा पहुंचे । आम तौर से कुछ तिथियां तो अखिल भारतीय कार्यक्रम के लिए निश्चित ही मानी जायं, जिनमें किसी प्रकार अन्य बडा कार्यक्रम नहीं बनाना चाहिए :—

www.vinoba.in

(अ) 30 जानेवारी से 12 फरवरी तक सर्वोदय पक्ष

(आ) 6 से 18 अप्रैल तक ~~भूमि-क्रांति~~ भूमि-क्रांति या राष्ट्रीय पर्व।

(इ) 11 सितम्बर से 2 अक्तूबर तक सर्वोदय - पर्व।

खादी ग्रामोद्योग आयोग तथा खादी संस्थाओं की तरफ से 2 अक्तूबर से 15 नवम्बर तक खादी बिक्री का विशेष प्रयत्न किया जाता है। इसलिये इस कार्यक्रम का भी ख्याल रखा जाय।

=.=.=.=.=

(प्रबंध समिति रजि० नं० 5)

(वाईगार्डम् - 16-11-64) (पृ०नं० 230

प्रस्ताव नं० 6 :- बडौदा नगर सर्वोदय कार्य के निष्कर्ष

ता० 19-20 अक्तुबर को बडौदा में सर्व सेवा संघ की ओर से नगर कार्य परिसंवाद संपन्न हुआ। उसकी जानकारी परिसंवाद के संयोजक श्री सिध्दराज ढढ्ढा ने दी उसमें जो सुझाव दिये गये उनमें निम्न सुझाव प्रमुख थे।

(1) जगह जगह के नगर सर्वोदय कार्य का कोआर्डिनेशन हो।

(2) औद्योगिक और व्यापारी क्षेत्र में स्वामित्व - विसर्जन की संभावनाओं के अध्ययन के लिए एक वर्किंग ग्रुप बने।

(3) इस सम्बन्ध में जानकारी देनेवाला एक मासिक बुलेटिन निकाला जाय।

विचार होकर तय हुआ कि इन सुझावों के अनुसार आगे की कार्यवाई श्री सिध्दराज ढढ्ढा और संघ के अध्यक्ष श्री मनमोहन चौधरी करें।

=.=.=.=.=.=.=

www.vinoba.in

(प्रबंध समिति रजि० नं० 6)

(सांगली - 25-2-69) पृ०नं० 182

प्रस्ताव नं० 17 :- नगर सर्वोदय कार्य चर्चा

पिछली बैठक के बाद इस विषय में जो कार्यवाही हुई है उसकी जानकारी श्री० सिध्दराज ढड्ढा ने दी। उन्होंने बताया कि हैदराबाद में इस विषय पर एक गोष्ठी करने का तय हुआ था लेकिन श्री० जयप्रकाश जी की अस्वस्थता तथा अन्य कारणों से वह अभी नहीं हो सकी। "अरबन" क्षेत्र में सर्वोदय कार्य के नीचे लिखे अनुसार पहलू है :-

(क) उद्योग और व्यापार के क्षेत्र में ट्रस्टीशिप का अमल।

(ख) नगरवासियों के परस्पर सहकार और संगठन के कार्यक्रम

(ग) शहरों की विशिष्ठ समस्याओं का अध्ययन तथा उनके संबंध में सर्वोदय दृष्टिकोण।

इन सब दिशाओं में चर्चा, चिन्तन और कार्यक्रम को बढाने की आवश्यकता है।

श्री० सिध्दराज जी ने बताया कि हालांकि उन्होंने संघ की ओर से इस विषय की जिम्मेदारी उठाना स्वीकार किया था लेकिन राजस्थान प्रदेशदान के संबंध में विशेष शक्ति लगाना जरूरी होने के कारण उनके लिये यह जिम्मेदारी निभाना कठिन हो रहा है। प्रबंध समितियह काम किसी अन्य सज्जन के सुपुर्द करे ऐसी प्रार्थना उन्होंने की।

विचार होकर तय किया गया कि यद्यपि राजस्थान प्रदेशदान के संबंध में सिध्दराज जी को विशेष शक्ति लगानी पड रही है, फिर भी फिलहाल वे ही इस काम को संभाले और जितना समय दे सकें दें। इस विषय पर चिन्तन करके काम आगे बढाने के लिये 5-7 सदस्यों का एक वर्किंग ग्रुप बनाने का भी तय किया गया। श्री० सिध्दराज जी संघ के अध्यक्ष तथा श्री० जयप्रकाशजी की सलाह से ग्रुप के नाम तय कर लें"।

www.vinoba.in

(प्रबंध समिति रजि० नं० 4 :-)

(इंदौर - 17-8-60) (पृष्ठ नं० 62)

प्रस्ताव नं० 22 :- इंदौर का नगर कार्य :-

श्री दादाभाई नाईक ने इंदौर को सर्वोदय नगर बनाने के लिए चल रहे अभियान की जानकारी देते हुए बताया कि विनोबाजी के आगमन के पूर्व इंदौर नगर और महेश्वर तहसील को एक सघन क्षेत्र मानकर इंदौर के कार्यकर्ता मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों के कार्यकर्ता तथा अन्य प्रदेशों के कुछ कार्यकर्ता ओं ने पदयात्रा की तथा सतत संपर्क से एक वातावरण निर्माण किया। विनोबाजी के इंदौर आने तथा इंदौर नगर में लगभग पांच सप्ताह तक ठहरने से उस वातावरण को एक विशेष प्रकार की शक्ति प्राप्त हुई। उनके प्रतिदिन के सायंकाल प्रवचन तथा नगर के विभिन्न मुहल्लों में या अन्य थानों पर व समय समय पर आयोजित कार्य क्रमों ने सर्वोदय विचार को जन- जन तक पहुंचाया और उनकी अन्तर को इसका कुछ स्पर्श भी हुआ। नगर में लगभग 15000 सर्वोदय पात्र रखे जा चुके है और कुछ सर्वोदय मित्रों का सहयोग भी प्राप्त हुआ है। नगर में सर्वोदय वानप्रस्थ मंडल नौकरी निवृत्त और सेवा प्रवृत्त रिटायर्ड लोगों का बना है। विसर्जन आश्रम की स्थापना हुई है। पर अभी कार्यकर्ता शक्ति की बहुत कमी है। तय हुआ कि श्री दादा भाई अन्य प्रदेशों के सर्वोदय मण्डलों को इस सम्बन्ध में लिखे।

= = = = = =

(जबलपुर - 12-11-60) (पृ०नं० 86)

प्रस्ताव नं० 1 :- अशोभनीय पोस्टरों के विरुद्ध सत्याग्रह :-

...

श्री देवेन्द्र भाई गुप्ता ने इंदौर में अश्लील विज्ञापन हटानेके लिए जो सत्याग्रह आरंभ हुआ उसका पूर्व इतिहास तथा श्री नारायण देसाई ने श्री विनोबाजी से हुई बात की जानकारी दी। चर्चा होकर तय हुआ कि इस संबंध में निम्न निवेदन जारी किया जाय :-

www.vinoba.in

"सार्वजनिक स्थानों पर जनता की वासनाओं और विकारों को उत्तेजन देनेवाले विज्ञापन लगाना नैतिक जीवन की बुनियाद पर ही प्रहार करने जैसा है। यह विज्ञापन बालकों के संस्कारों को बिगाड़ने का भी एक बड़े निमित्त है। प्रबंध समिति मानती है कि इस प्रकार के विज्ञापनों, पोस्टरों और चित्रों के सार्वजनिक प्रदर्शन के खिलाफ जनमत तैयार करना सर्वोदय आन्दोलन के बुनियादी कार्यक्रमों में से एक है। अपनी शक्ति और चारों ओर की परिस्थिति को देखते हुए जहां भी कार्यकर्ताओं को यह महसूस हो कि यह प्रश्न हाथ में लेना चाहिए, वहां पर सर्वोदय आन्दोलन की अंगभूत प्रवृत्ति के तौर पर वे उस कार्यक्रम को हाथ में लें। खास करके नगरों के लिए यह एक प्रभावी कार्यक्रम हो सकता है, ऐसी प्रबंध समिति की राय है।"

"समाज में आज कोई भी विचारशील व्यक्ति इस चीज के पक्ष में नहीं होगा कि सार्वजनिक स्थानों पर इस प्रकार लगाए जानेवाले विज्ञापनों या पोस्टरों इत्यादि में किसी भी मर्यादा का पालन न किया जाय, बल्कि सैंसर के अनुभव से और अन्य जगहों पर हुई प्रतिक्रिया से यह स्पष्ट है कि आम तौर पर लोकमानस इस तरह के अशोभनीय चित्रों और पोस्टरों के सार्वजनिक प्रदर्शनों के विरुद्ध है, पर सर्व साधारण आज यह मान बैठे हैं कि इन चीजों का प्रतिकार करना उनकी शक्ति के बाहर है। लोग इस चीज को बुरी मानते हुए भी एक तरह से इसके बारे में अपनी असहायता महसूस करते हैं, जैसेकि और बहुतसी बातों के बारे में। सर्वोदय कार्यकर्ताओं का यह कर्तव्य है कि नैतिक जीवन की बुनियाद पर आक्रमण करनेवाली इस बात के विरुद्ध के जनमत जाग्रत और प्रगट होना चाहिए और उसकी अभिव्यक्ति होनी चाहिए।"

"प्रबंध समितिको विश्वास है कि विज्ञापन कर्ता स्वयं भी नागरिक की हैसियत से नैतिक मूल्यों की प्रतिष्ठा के पक्ष में हैं। आज जो कुछ हो रहा है, उसमें परिस्थिति का और इस प्रश्न पर गहराई से न सोचे जाने का ही दोष मुख्य है। सिनेमा व्यवसायवालों या अन्य विज्ञापन कर्ता ही अगर मिलकर सोचें तो वे स्वयं ऐसी मर्यादाएँ निश्चित कर सकते हैं, जिनके पालन से समाज के बुनियादी नैतिक मूल्यों की भी रक्षा हो और उनके व्यवसाय को किसी प्रकार की हानि भी न पहुंचे। सरकारी क्षेत्र के लोग भी, जो कि आखिरकार आम लोगों में से ही हैं, अवश्य ही इसके अनुकूल होंगे कि सार्वजनिक जीवन में इस प्रकार की मर्यादाओं का पालन किया जाय। सर्व सेवा संघ की ओर से इस प्रश्न

www.vinoba.in

पर आगे सरकार से बातचीत करने का भी तय हुआ है । यह भी निश्चय हुआ है कि अगर इस प्रश्न को लेकर कहीं सत्याग्रह का सक्रिय कदम उठाने की आवश्यकता महसूस हो तो प्रदेशीय सर्वोदय मंडल तथा सर्व सेवा संघ उस प्रश्न पर विचार करें और विनोबाजी की स्वीकृति से सक्रिय कदम उठाया जाय ।''

इस संबंध में भारत सरकार व राज्य सरकारों द्वारा ~~जो~~ भी जो कार्यवाई हो सकती हो, वह करनी तथा लोकमत तैयार करने के बारे में चर्चा हुई । तय हुआ कि भारत सरकार के संबंधित मंत्रियों, अधिकारियों आदि से शिष्टमंडल के रूप में मिलने, उन्हें स्मृति-पत्र (मेमोरंडम) देने व अपने उद्देश्य व कार्यक्रम से परिचित करने आदि की कार्यवाई श्री देवेन्द्र कुमार और श्री करण भाई करें । वे तीन अन्य प्रभावशाली व्यक्तियों को लेकर कमिटी बना सकते हैं। इसी प्रकार लोकमत तैयार करने के लिए कुछ महिलाओं से बात की जाय । श्री देवेन्द्रकुमार व श्री करणभाई, श्री सुचेता कृपलानी से इस विषय में बात करें । श्री दुर्गा बाई देशमुख, डॉ0 सौन्दरम्, हंसा मेहता, रामेश्वरी नेहरू, आदि से भी इस कार्य के बारे में चर्चा की जा सकती है। इनमें से एक संयोजिका होकर इस कार्य की संयोजना करें तो ठीक होगा । श्री देवेन्द्रकुमारजी और श्री करण भाई संपर्क करके कार्यवाई करें ।

= == = = = = = = · =

(गोलाकगंज— 6-3-61) पृ0नं0 99

प्रस्ताव नं0 9 :- अशोभनीय पोस्टरों के विरुद्ध सत्याग्रह व समिति

प्रबंध समिति की जबलपुर की बैठक में अशोभनीय पोस्टरों को हटाए जाने के संबंध में जो प्रस्ताव हुआ था, उसके बाद श्री देवेन्द्र कुमार, श्री महेश कोठारी, श्री तात्या शिंदे, श्री गोकुल भाई भट्ट आदि ने फिल्म व्यवसायों के प्रतिनिधियों से तथा दिल्ली सरकार के प्रतिनिधियों से जो विचार विमर्श किया उसकी जानकारी श्री महेश भाई ने दी । देशभर में लोगों ने इस आंदोलन को किस तरह उठा लिया है, इस संबंध में श्री पूर्णानन्द जी ने संक्षेप में जानकारी दी । ~~श्री देवेन्द्रकुमार, श्री करणभाई~~ श्री देवेन्द्रकुमार, श्री करणभाई, आदि ने संपर्क विभिन्न लोगों से किया लेकिन जबलपुर की प्रबंध समिति की बैठक के संदर्भ में कोई कमेटी उन्होंने नहीं बनायी । अब इस आंदोलन को आगे सुव्यवस्थित ढंग से चलाने के लिए एक स्वतंत्र समिति नियुक्त करने की आवश्यकता को सब ने महसूस किया ।

www.vinoba.in

निम्नलिखित समिति नियुक्त की गई :-

(1) श्री गोकुल भाई भट्ट.

(2) श्री तात्या शिर्के.

(3) श्री महेश कोठारी.

(4) श्री दामोदर दास मूंदड़ा (संयोजक)

=-=-=-=-=

(प्रबंध समिति रजि० नं० 7)

(वाराणसी – 21-1-71) पृ० नं० 121

प्रस्ताव नं० 6 :- 14000 बजट मंजूर. नयी समिति अध्यक्ष गठित करें

श्री सिध्दराज ढड्ढा ने कहा कि ग्रामस्वराज कोष के काम से इस बार शहरों के लोगों से हमारा व्यापक संबंध आया है। कई दाताओं ने यह इच्छा जाहिर की है कि शहरों में भी सर्वोदय की दृष्टि से काम होना चाहिये। इस संबंध में श्री सिध्दराजजी ने अपना प्रस्तुत लिखित नोट भी पढा। शहरों के काम के सिलसिले में उन्होंने मुख्य रूप से निम्न बातें उपस्थित की :-

(1) जिस तरह ग्रामदान के जरिए देहाती क्षेत्र के प्रमुख उत्पादन के साधन जमीन पर व्यक्तिगत स्वामीत्व की जगह ग्राम सभाके सामूहिक स्वामित्व की योजना सामने आयी है, उस तरह उद्योग, व्यापार आदि में यह सिध्दांत किस तरह लागू किया जा सकता है/। इस बारे में समय समय पर गोष्ठी सेमिनार करके विचार किया जाय।

(2) गांवों में जैसे ग्रामसभा द्वारा सर्व सम्मति के आधार पर वहां की व्यवस्था चलाने की बात है, उस तरह शहरों की व्यवस्था सीधे नगर निवासियों द्वारा कैसे चलायी जा सकती है?

(3) नगर निवासियों में परस्पर शेयरिंग तथा सहयोग के कार्यक्रम।

www.vinoba.in

(4) नगरों में घनी आबादी और अन्य विशेष परिस्थितियों के कारण पैदा होनेवाली समस्याओं के बारे में नागरिकों को जागरूक करना ।

(5) नगरों में सर्वोदय विचार तथा आन्दोलन की सही जानकारी का प्रचार प्रसार विशेषकर बुध्दिजीवी वर्ग, व विद्यार्थी वर्ग तथा समाचार पत्रों आदि से संपर्क ।

(6) सर्वोदय पात्र तथा शांति सेना, तरुण शांति सेना आदि का कार्य प्रबंध समिति ने नगर सर्वोदय कार्य के महत्व को ध्यान में रखते हुए तय किया। कि इस ओर विशेष ध्यान दिया जाय । सिध्दराजजीने इस कार्य के संयोजन की जिम्मेदारी पहले से स्वीकार कर रखी है, पर गत वर्ष उनका पूरा समय, ग्राम स्वराज कोष का संयोजन करने में गया । देशभर में कार्यकर्ताओं की मुख्य शक्ति भी इसी काम में लगी रही । अब वह काम पुरा हो रहा है, अतः आन्दोलन के अन्य अंगों के साथ नगर सर्वोदय कार्य की भी तत्परता से उठाया जाय । शहरों के काम का, 14,000 रुपये का बजेट स्वीकृत किया गया ।

श्री सिध्दराजजीने नगर सर्वोदय समिति को पुनर्गठित करने का सुझाव रखा । उनसे सलाह करके नगर सर्वोदय समिति को पुनर्गठित करने का अधिकार अध्यक्ष महोदय को दिया गया ।

= = = = = = =

(नाशिक-5-5-71) (पृष्ठ नं0 146)

प्रस्ताव नं0 6 :- <u>ट्रस्टीशिप विकेन्द्रित उद्योग चर्चा</u>

श्रीमती कमला गड्डे ने विदेशी चाय बागान के बारे में ट्रस्टीशिप का सिध्दांत अैवं उसके प्रयोग की बात रखी । चाय बागान में शोषण बहुत है अतः आवश्यकता हो तो वहां सत्याग्रह भी किया जाय, लोकसभा में कानून द्वारा नियंत्रण लाने के लिये लॉबी बनाई जाय, आदि बातें रखी गयी । चर्चा के बादयह तय रहा कि श्रीमती कमला बहन अेक नोट इस विषय पर तैयार करें और उसे नगर समिति में रखे और समिति इस पर सोचे । आवश्यक हो तो इस बीच कमला बहन चाय उद्योग के क्षेत्र में जाकर अध्ययन भी करें कि वहां पूंजी अैवं श्रम का ट्रस्टीशिप में कैसे परिवर्तन किया जा सकता है । यह अनुभव भी नगर समिति के सामने रखा जाय ।

= = = = = = =

www.vinoba.in